महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

¼lIn }kjk ikfjr vf/kfu;e 1997] Øekd 3 d vrxr LFkkfir dæh; fo'ofo|ky;½

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

दिनांक : 04/04/2024

प्रथम सत्र- सत्रीय कार्य की सूचना

एम.ए. इतिहास (सत्र- 2023-24) दूर शिक्षा

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्यसामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दों में लिख सकें, इसका तात्पर्य यह है कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

1. एम.ए., इतिहास (दूर शिक्षा) (सत्र- 2023-24) **प्रथम सेमेस्टर** के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नपत्र के अनुसार **स्वहस्ताक्षर** में प्रश्नों के उत्तर A-4, साईज के पृष्ठ पर लिखकर आपको आवंटित किए गए अध्ययन केंद्र (Study Centre) पर हार्ड कॉपी में दिनांक 30 अप्रैल, 2024 तक जमा करना सुनिश्चित करें। **सीधे दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में सत्रीय कार्य जमा नहीं करना हैं।**

2. प्रत्येक विषय के सत्रीय कार्य के प्रथम (पहले) पृष्ठ पर निम्नांकित जानकारी आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें।

    1. छात्र का नाम : ....
    2. नामांकन संख्या : ....
    3. अध्ययन केद्र का नाम : ....
    4. विषय/प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड संख्या: ....
    5. सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने का दिनांक: ....
    6. छात्र के हस्ताक्षर दिनांक के साथ: ....
    7. अध्ययन केंद्र में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : ....

पाठ्यक्रम संयोजक

डॉ. परिमल प्रियदर्शी

अनुसंधान अधिकारी

प्रथम पृष्ठ का प्रारूप

(प्रत्येक विषयों के सत्रीय कार्य के प्रथम पृष्ठ पर अनिवार्य)

1. छात्र का नाम : .....
2. नामांकन संख्या : .....
3. अध्ययन केंद्र का नाम : .....
4. विषय/प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड संख्या: .....
5. सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने का दिनांक : .....
6. छात्र के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....
7. अध्ययन केंद्र में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -01 इतिहास लेखन

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) भारतीय इतिहास लेखन की पद्धतियों की विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) इतिहास लेखन में स्रोत सामग्री की खोज किस प्रकार की जाती है?

प्रश्न संख्या (3) इतिहास लेखन में वस्तुनिष्ठता एवं पूर्वाग्रह पर इतिहास के अभ्यासक के रूप में विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) इतिहास लेखन में प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों की उपयोगिता बताइए।

प्रश्न संख्या (5) इतिहास एवं पुरातत्व के सह-संबंधों की व्याख्या कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -02 प्राचीन भारतीय संस्कृति

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) सभ्यता एवं संस्कृति में अंतर को समझाइए।

प्रश्न संख्या (2) भगवान महावीर के जीवन एवं जैन धर्म पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (3) गुप्तकालीन धर्म एवं संस्कृति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) गांधार एवं मथुरा कला शैली पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (5) प्राचीन भारत में नारी की स्थिति का वर्णन कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -03 प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-1)

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) सिंधु घाटी सभ्यता की नगर निर्माण योजना का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या (2) वैदिककालीन सामाजिक एवं धार्मिक जीवन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (3) रामायण एवं महाभारत के ऐतिहासिक महत्व की चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) भगवान बुद्ध के जीवन एवं बौद्ध धर्म पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (5) चंद्रगुप्त मौर्य केवल महान सेनानायक और विजेता ही नहीं वरन् एक महान प्रशासक भी थे। उदाहरण के साथ इस कथन को सिद्ध कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -04 प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-2)

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) चोल, पांड्य एवं चेरों के इतिहास का वर्णनकीजिए।

प्रश्न संख्या (2) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (3) ''गुप्तकाल को स्वर्णयुग कहा जाता है'', इस कथन की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) गुप्तोत्तरकालीन सांस्कृतिक विकास की विवेचना कीजिए।

प्रश्न संख्या (5) चालुक्यों की सांस्कृतिक उपलब्धियों का मूल्यांकन कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -05 इतिहास और लैंगिकता

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 3000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक है।**

प्रश्न संख्या (1) इतिहास लेखन के दौरान महिलाओं के योगदान को कैसे नजर अंदाज किया गया ?

प्रश्न संख्या (2) वैदिक युग में स्त्रियों को प्राप्त अधिकारों का विवरण दीजिए।

प्रश्न संख्या (3) भक्ति-काव्य में मीरा के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) गैर-हिंदी क्षेत्रों में स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार और नवोन्मेष हुआ था। इस बिंदु पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (5) स्वयात्त महिला आंदोलन का उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक